c. अभि adire, accedere. R. Schl. I. 25. 10. *Atm.* Ragh. 5. 30.: हेमराशिं लब्धङ् कुवेराद् अभियास्यमानात्. — अभियात iens. In. 2. 8.

c. आ adire, aggredi. Nalod. 3. 2. — Venire. Mah. 300.: कुतो ऽयम् आयाति.

c. आ praef. अभि *id.* Mah. 3. 246.

c. आ praef. प्रति redire. Ragh. 2. 67.: प्रत्याययाव् आश्रमम्.

c. आ praef. सम् advenire. N. 3. 5. *a.* et *b.*

c. उत् surgere. Gita-Gov. 4. 19.

c. उत् praef. प्रति obviam ire. R. Schl. I. 20. 8.: प्रत्युद्ययौ मुनिन् द्रष्टुम्. *V.* गम् praef. प्रत्युत्.

c. उप 1) adire. N. 18. 21.: गृहान् उपययौ; Su. 1. 16.: क्षोभन् नो 'पयाति ना "र्तिम्. 2) advenire. Ragh. ed. Calc. 9. 24.: उपययौ ... मधुः (= वसन्तः).

c. निस् exire. R. Schl. II. 68. 7.

c. प्र 1) progredi, ire. N. 20. 2. 41. Dr. 6. 25. N. 14. 9. 15. 1. 2) praeterire, *de tempore.* Up. 21.: प्रयाताः सप्त वासराः.

c. सम् *i. q. simpl.* Bh. 2. 22.: शरीराण्य् अन्यानि संयाति देही.

c. सम् praef. अनु *id.* Mah. 3. 10094.: तीर्थान्य् अन्यान्य् अनुसंयाहि.

याग *m.* (r. यज्, primitive यग्, s. अ) sacrificium. Ragh. 8. 30.

याच् 1. *P. A.* poscere, rogare, petere. N. 23. 4.: याचते न शक्तन् देयम्; Sa. 1. 28.: यौवनस्थां तु तां दृष्ट्वा ... अयाच्यमानाश्च वरैः. — *Cum acc. pers. et rei.* Man. 3. 258.: याचेते 'मान् वरान् पितृन्; R. Schl. II. 107. 5.: अयाचत नरश्रेष्ठन् द्वौ वरौ. *Etiam c. abl. pers.* Br. 3. 17.: याचमानाः पराद् अन्नम्. — Orare, supplicare. Dr. 8. 46.: मायाविहर्ता वैरी यः ... याचमानो ऽपि सङ्ग्रामे न मोक्तव्यः.

c. प्र *i. q. simpl.* Mah. 3. 8780.: प्रयाचामो वरन् त्वाम्.

c. प्र praef. सम् *id.* Mah. 3. 8696.

c. सम् supplicare, obsecrare. Mah. 3. 8837.: तम् ... पुत्रार्थं समयाचत.

याचना *f.* (r. याच् s. अन in *fem.*) precatio, obsecratio, supplicatio, sollicitatio. R. 11. 78.

याच्ञा *f.* (r. याच् s. ना, v. *euph. r.* 93.) *id.* Hit. 31. 8.

याजिन् (r. यज् s. इन्) colens, venerans. Bh. 9. 34.

याज्ञसेनी *f.* (patronym. a यज्ञसेन s. ई in *fem.*) nomen Draupadiae.

यातना *f.* (a Caus. r. यत् s. अन in *fem.*) tormentum, cruciatus. Man. 12. 17.

यातयाम (*bah.* e यात praeteritus et याम q. v. praeteritam vigiliam, *vel* praeteritas vigilias habens) vetustus, corruptus, *de cibo.* Bh. 17. 10.

यातु *m.* (a r. या s. *unâd.* तु) 1) viator. 2) Daemonum genus (Wils.: *A demon, a goblin, an imp or evil spirit*).

यातुधान *m.* (e praec. et धान, quod seorsum non invenitur, a r. धा s. अन) *i. q. praec.* sgnf. 2. A. 10. 52.

यातृ *f.* (ut videtur, a r. यम्, abjecto म्, producto अ, suff. तृ, v. यम् praef. उप in matrimonium ducere) mariti fratris uxor. Am. (Polon. *jatrew* (*jantrew*) fratris uxor.)

यात्रा *f.* (r. या s. त्र in *fem.*) 1) itus, iter. Ragh. 18. 15. 17. 56. 2) victus. N. 18. 11. Bh. 3. 8.

याथातथ्य *n.* (a यथातथम् s. य) veritas. Hit. 130. 7.

याथात्म्य *n.* (a यथात्मन् - यथा + आत्मन् - s. य) natura, indoles. Ragh. 10. 25.

यादस् *n.* bestia aquatilis. Bh. 10. 29.

यादृश् *m. f. n.* (v. gr. 287.) qualis. Bh. 13. 3. (Gr. ἧλιξ, v. gr. comp. 415.)

यादृश (*fem.* ई, v. gr. 287.) *id.* Mah. 3. 1370. (Gr. ἡλίκος, v. gr. comp. 415.)

यान *n.* (r. या s. अन) 1) itio, incessus, ingressus, cursus. Dr. 8. 18. N. 18. 6. 2) vehiculum, currus. N. 7. 9. 17. 21. 23. (Cf. lat. *janua.*)

यापन *n.* (a Caus. r. या s. अन) actio faciendi ut eat, transeat. कालयापन temporis profusio. Hit. 54. 3.

याम *m.* (r. यम् s. अ) vigilia, *quae tertiam noctis partem complecti videtur, appellatur enim nox* त्रियामा tres vigilias habens. Up. 44.